Shouldering of Responsibility of Refugees from Bangla Desh by the Central Government

3592. SHRI RAMACHANDRAN KADANNAPPALLI : Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state :

(a) whether the Chief Minister of West Bengal had asked the Centre to shoulder the entire responsibility for refugees coming from Bangla Desh; and

(b) if so, the reaction of Government thereto ?

THE MINISTER OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI R K. KHADILKAR):

(a) and (b). Due to sudden and heavy influx of refugees from East Bengal and the congestion in the border areas, the Government of West Bengal had requested the Government of India to take charge of the refugees from East Bengal. It was therefore, decided that with a view to relieving the pressure of refugees in West Bengal, the Government of India will establish Central Camps both in the interior of West Bengal and also in other States to which the refugees from the border areas may be dispersed. Following this decision, the programme of establishing Central camps, is well under way and over 63,000 refugees have been dispersed from West Bengal upto 25-6-1971 to the Central Camp at Mana, Raipur.

गन्ना अनुसंधान केन्द्र और नई किस्मों का निकाला जाना

3593. डा० लक्ष्मीनारायण पांडे : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में इस समय कितने गन्ना अनुसन्धान केन्द्र काम कर रहे हैं;

(ख) उक्त केन्द्रों ने गन्ने की कितनी नई किस्में निकाली हैं;

(ग) क्या बोई जा रही गन्ने की कुछ किस्में जल्दी बीमारी पकड़ती हैं और क्या इस ओर सरकार का ध्यान दिलाया गया है; और

(घ) यदि हां, तो इस बारे में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णा साहिब पी० शिन्दे): (क) इस समय देश में 64 गन्ना अनुसंधान केन्द्र कार्य कर रहे हैं ।

(ख) गन्ना संवर्धन संस्थान, कोयम्बतूर ने, जो कि देश के विभिन्न कृषि-जलवायु के क्षेत्रों के लिये उपयुक्त नई किस्मों के विकास का कार्य करता है, हाल के वर्षों में 19 नई किस्मों का विकास किया है । इसके अतिरिक्त, बिहार तथा उत्तर प्रदेश मे राज्य अनुसंधान केन्द्रों द्वारा भी कुछ किस्में निर्मुक्त की गई हैं ।

(ग) "रैड रोट" "रैटून स्टन्टिंग" तथा घासी प्ररोह रोगों जैसे कुछ रोगों की सम्भाव्यता के कारण, किसानों द्वारा पुरानी लोकप्रिय किस्में छोड़ी जा रही हैं । सरकार को इस समस्या का ज्ञान है ।

(घ) गन्ना अनुसंधान केन्द्र, संकर संवर्धन के माध्यम से गन्ने के विशेष रोगों के प्रतिरोध में लगे हुए हैं । रोग को सहने या प्रतिरोध की विभिन्न मात्रा के कारण, सी० ओ० 419 जैसी कुछ किस्मों में काफी